सैफ चैंपियनशिप : पाकिस्तान के खिलाफ खिताबी मुकाबले में भारत की नजरें ऐतिहासिक हैट्रिक पर

सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में मंगलवार को ढाका में भिड़ेंगी दोनों टीमें

ढाका

गत चैंपियन भारतीय फुटबाल टीम मंगलवार को यहां राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में उतरेगी। भारतीय टीम की नजरें लगातार तीसरी बार खिताब जीतकर इतिहास रचने और अपना 10वां खिताब हासिल करने पर होंगी।

भारत ने अब तक रिकार्ड नौ बार सैफ चैंपियनशिप का खिताब जीता है। टीम ने 1993, 1997, 1999, 2005, 2009, 2011, 2015, 2021 और 2023 में यह उपलब्धि हासिल की है। हालांकि, भारतीय टीम अब तक लगातार तीन संस्करणों में खिताब नहीं जीत सकी है। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ की वेबसाइट के अनुसार, भारत ने 15 संस्करणों में से 14 में शीर्ष दो में जगह बनाई है। केवल 2003 में टीम फाइनल तक नहीं पहुंच सकी थी।

दूसरी ओर, पाकिस्तान पहली बार सैफ चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। टीम इससे पहले चार बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जिसमें पिछला मौका 2018 में आया था। खेले गए सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने मेजबान बांग्लादेश को 1-0 से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अब्दुल समद ने 86वें मिनट में निर्णायक गोल किया।

भारतीय टीम के मुख्य कोच नौशाद मूसा ने फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सामूहिक प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा, अब तक टीम का सफर देखकर मैं बहुत खुश हूं। एक और फाइनल में पहुंचना खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का नतीजा है। इस दौरान हमें कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन खिलाड़ियों ने अपने चरित्र, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा करने की मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय दिया। हर मुकाबला सीखने और सुधार करने का अवसर रहा है और अब हमें एक और महत्वपूर्ण कदम उठाना है।

भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला ग्रुप-बी में 5 नवंबर को हुए मैच का दोहराव होगा। उस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराया था। सुहैल अहमद भट ने दो गोल किए थे, जबकि मंगलेंथांग किपगेन ने एक गोल दागा था। भारतीय टीम ने 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन पाकिस्तान ने इंजरी टाइम में दो गोल करके मुकाबले को रोमांचक बना दिया था। इसके बावजूद भारत ने जीत हासिल की थी।

पाकिस्तान ने इसके बाद मालदीव को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और फिर बांग्लादेश को शिकस्त दी। नाकआउट मुकाबलों से पहले विदेशों में खेलने वाले कई खिलाड़ियों के टीम से जुड़ने के कारण पाकिस्तान की टीम अब ग्रुप चरण में भारत के सामने उतरी टीम से अलग नजर आ रही है।

मूसा ने कहा, मुझे इस बार बिल्कुल अलग मुकाबले की उम्मीद है। ग्रुप चरण में हमने जिस पाकिस्तान का सामना किया था, अब उसकी टीम काफी अलग दिख रही है। उसके साथ कुछ नए खिलाड़ी जुड़े हैं। फाइनल हमेशा अलग तरह का मुकाबला होता है और दोनों टीमें अलग मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगी। पाकिस्तान ने हमारे पिछले मुकाबले का विश्लेषण किया होगा और हम उम्मीद करते हैं कि वह पूरी तैयारी तथा मजबूत प्रेरणा के साथ उतरेगा।

उन्होंने कहा, हम उनकी क्षमता और मजबूती का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा ध्यान अपनी टीम पर रहेगा। हमें अपनी रणनीति को सही तरीके से लागू करना होगा, अनुशासन बनाए रखना होगा और महत्वपूर्ण मौकों पर सही फैसले



लेने होंगे। भारत ने सेमीफाइनल में भूटान को 2-1 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। विष्णु पीवी ने नौवें मिनट में गोल करके भारत को बढ़त दिलाई, जबकि कसान चिंगलेनसाना सिंह कोंशाम ने 27वें मिनट में दूसरा गोल किया। दूसरे हाफ की शुरुआत में भूटान ने एक गोल करके वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय टीम ने अपनी बढ़त कायम रखी।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड ने स्पेन को उसी के घर में 3-2 से हराया, 43 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान थमा

मैड्रिड। इंग्लैंड ने नेशंस लीग मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए यूरो और विश्व कप विजेता स्पेन को उसी के



घरेलू मैदान पर 3-2 से हरा दिया। इस हार के साथ ही स्पेन का लगातार 43 मैचों से चला आ रहा अजेय अभियान समाप्त हो गया। टीम को मार्च 2024 में कोलंबिया के खिलाफ 0-1 की हार के बाद पहली बार शिकस्त झेलनी पड़ी है। इंग्लैंड ने स्पेन के खिलाफ पूरे मुकाबले में आक्रामक दबाव बनाए रखा। विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी इंग्लिश टीम की तेज प्रेसिंग के सामने स्पेनिश खिलाड़ी लगातार परेशानी में नजर आए। इंग्लैंड की ओर से कप्तान हैरी केन ने पेनल्टी पर गोल किया। यह इंग्लैंड के लिए उनका 93वां गोल रहा। इसके अलावा डिफेंडर एजरी कोंसा और बेन व्हाइट ने भी गोल दागे। स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबल ने पेनल्टी पर गोल किया, जबकि निको विलियम्स ने दूसरा गोल किया। बार्सिलोना के स्टार खिलाड़ी लामिन यामल की इन दोनों गोलों में अहम भूमिका रही। मुकाबले के अंतिम चरण में स्पेन ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर जेम्स ट्रैफर्ड ने कई शानदार बचाव कर उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। क्वार्टर फाइनल का ड्रा शुक्रवार को निकाला जाएगा।

हर्षल पटेल अब गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते दिखेंगे, 4 करोड़ में हुई ट्रेड डील

मुम्बई। युवा तेज गेंदबाज हर्षल पटेल अब सनराइजर्स हैदराबाद की जगह पर गुजरात टाइटंस से खेलते



दिखेंगे। हर्षल को 4 करोड़ पर ये करार हुआ। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच हुए इस समझौते के तहत गुजरात टाइटंस की ओर से कोई भी खिलाड़ी हैदराबाद को नहीं दिया जाएगा। आईपीएल 2027 की रिटेंशन डेडलाइन, जो 17 नवंबर को निर्धारित है, से ठीक पहले इस अहम ट्रेड को अंतिम रूप दिया गया है। ऐसे में गुजरात टाइटंस अपनी नीलामी राशि से 4 करोड़ का भुगतान करेगी और इसके बदले में सनराइजर्स हैदराबाद को केवल नकद राशि प्राप्त मिलेगी। इस सौदे को दोनों टीमों की आगामी रणनीतियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। शुरुआती दौर की बातचीत में खिलाड़ी के बदले खिलाड़ी देने पर भी विचार किया गया था। वहीं गुजरात टाइटंस में शामिल इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज टाम बैंटन का नाम हर्षल के बदले में हैदराबाद को दिये जाने के लिए सामने आया पर लेकिन हैदराबाद ने इंकार कर दिया। हर्षल को सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में भारी 8 करोड़ खर्च कर अपनी टीम का हिस्सा बनाया था पर टाइटंस के साथ हुई नई डील में उनकी कीमत घटकर आधी, यानी 4 करोड़ रह गई है। यह दिखाता है कि हैदराबाद ने दो साल पहले चुकाई गई रकम के मुकाबले 50 फीसदी कम कीमत पर उन्हें ट्रेड करने का फैसला किया है, जो संभवतः उनके हाल के प्रदर्शन को देखते हुए लिया गया है। गौतलब है कि सनराइजर्स हैदराबाद के लिए हर्षल का पहला सत्र, यानी आईपीएल 2025, काफी प्रभावशाली रहा था।

डब्लयूपीएल 2027 में ब्रेबोर्न की जगह वानखेड़े में खेले जाएंगे मुकाबले

मुम्बई। अगले साल 2027 में होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के मुकाबलों में एक बदलाव किया गया है। भारतीय

क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इस टूर्नामेंट में पहले ब्रेबोर्न स्टेडियम में मैच रखे गये थे जिन्हें अब वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। बीसीसीआई के अनुसार आईसीसी महिला चैंपियंस ट्राफी 2027 की तैयारियों के कारण ये फैसला लिया गया है हालांकि इस बदलाव से टूर्नामेंट के मुंबई चरण के कार्यक्रम या तारीखों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और सभी 11 मुकाबले पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 तक आयोजित होंगे। बीसीसीआई ने अपने एक बयान में कहा कि मुंबई में होने वाले लीग मुकाबलों के साथ-साथ एलिमिनेटर और फाइनल भी अब वानखेड़े में ही खेले जाएंगे। यह पहली बार होगा जब वानखेड़े स्टेडियम डब्लयूपीएल मैचों की मेजबानी करेगा। इस वेन्यू परिवर्तन का मुख्य कारण आईसीसी महिला चैंपियंस ट्राफी 2027 है, जिसकी मेजबानी ब्रेबोर्न स्टेडियम को 14 से 28 फरवरी तक करनी है। आईसीसी के नियमों के अनुसार, किसी भी बड़े टूर्नामेंट के शुरू होने से 15 दिन पहले मेजबान स्थलों पर विशेष नियंत्रण की आवश्यकता होती है। यह नियम पिचों को तैयार करने और आयोजन स्थल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करता है। इसी कारण डबल्यूपीएल के मैचों को वानखेड़े में स्थानांतरित करने का फैसला लिया गया। बीसीसीआई के फैसले के अनुसार, मुंबई चरण के तहत कुल 11 मुकाबले वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसमें लीग चरण के 12वें से 20वें मुकाबले के साथ-साथ अहम एलिमिनेटर और फाइनल मैच भी शामिल हैं।

जय शाह लगातार दूसरी बार निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष नियुक्त, बोर्ड ने जताया भरोसा

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जय शाह को लगातार दूसरी बार अपना अध्यक्ष नियुक्त किया है। बाली में हुई आईसीसी बोर्ड की बैठकों के दौरान निदेशकों के प्रस्ताव के बाद शाह को निर्विरोध दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया। इस फैसले से वैश्विक क्रिकेट के नेतृत्व में निरंतरता बनी रहेगी।

आईसीसी बोर्ड का यह निर्णय शाह के नेतृत्व में उसके भरोसे को दर्शाता है। क्रिकेट के वैश्विक विस्तार, प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने और व्यावसायिक विकास के लिहाज से यह खेल के लिए महत्वपूर्ण दौर है। क्रिकेट लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 में वापसी की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही आईसीसी ने प्रतियोगिताओं के लिए दीर्घकालिक कार्यक्रम का विस्तार भी घोषित किया है, जिससे अधिक खिलाड़ियों को भागीदारी और विकास के अवसर मिल सकेंगे।

बोर्ड ने क्रिकेट की बुनियाद मजबूत करने, महिला क्रिकेट के विकास को समर्थन देने, एसोसिएट सदस्यों के लिए अवसर बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की विश्वसनीयता बनाए रखने और खेल के दीर्घकालिक भविष्य के लिए टिकाऊ व्यावसायिक अवसर विकसित करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

दूसरे कार्यकाल के लिए नियुक्त होने पर जय शाह ने आईसीसी के हवाले से कहा, आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। सभी निदेशकों के निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए मैं उनका दिल से आभार व्यक्त करता हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना मेरे लिए सम्मान के साथ-साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

उन्होंने कहा, हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की नई पीढ़ी को प्रेरित करने का असाधारण अवसर है। शाह ने कहा, हमारी जिम्मेदारी केवल सफल प्रतियोगिताओं के आयोजन तक सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों को ध्यान में रखते हुए खेल के लिए अधिक मजबूत और टिकाऊ भविष्य तैयार करना



होगा। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि लोगों को एकजुट करने की क्षमता ही क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत है। बोर्ड और अपने सदस्यों के समर्थन से हमारा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को ठोस कदमों में बदलने और ऐसी प्रगति सुनिश्चित करने पर होगा, जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को भी मिले।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रिचर्ड थाम्पसन ने शाह की पुनर्नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा, जय का नेतृत्व ऐसे समय में जारी रहेगा, जब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। खेल तेजी से बदल रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि हम अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखें तथा बड़ी प्रतियोगिताओं को खेल के भविष्य के केंद्र में रखें।

उन्होंने कहा, आने वाले वर्षों में क्रिकेट की परंपराओं और नवाचार, नए दर्शकों तथा बदलते व्यावसायिक परिदृश्य से मिलने वाले अवसरों के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण होगा। आईसीसी की भूमिका सदस्यों को एक साथ लाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के भविष्य की दिशा तय करने और इसे टिकाऊ बनाने में अहम है। मैं जय को उनकी पुनर्नियुक्ति पर बधाई देता हूं और खेल के इस महत्वपूर्ण अगले चरण में उनके तथा अन्य सदस्यों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

आईसीसी की स्वतंत्र निदेशक डा. रास रिवाज ने कहा, मैं जय को आईसीसी अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त होने पर बधाई देती हूं। उनका नेतृत्व महिला क्रिकेट के विकास को और मजबूत करने तथा इसे आईसीसी के दीर्घकालिक दृष्टिकोण का केंद्रीय हिस्सा बनाए रखने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट को दुनिया भर में लगातार गति मिल रही है, लेकिन हमें उन खिलाड़ियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी समझनी होगी, जिनके खेलने के अवसर बाधित हुए हैं। जय के नेतृत्व में हर क्षेत्र में महिला क्रिकेटरों को समर्थन देने के प्रयासों को भी स्वीकार करना चाहिए। इस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाना और महिलाओं के लिए खेल से जुड़े रहने तथा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के नए रास्ते तैयार करना जरूरी है।

आईसीसी के उपाध्यक्ष एवं जिम्बाब्वे क्रिकेट के अध्यक्ष तवेंग्वा मुकुहलानी ने कहा, जय ने मजबूत नेतृत्व क्षमता दिखाई है और क्रिकेट के भविष्य के लिए साझा दृष्टिकोण पर सभी सदस्यों को एकजुट करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। उनका दृष्टिकोण इस बात को मान्यता देता है कि हमारे खेल की ताकत सभी सदस्यों के सामूहिक योगदान में है। आईसीसी के फैसले वैश्विक क्रिकेट के हित में होने चाहिए।

उन्होंने कहा, अफ्रीका के एक सदस्य के रूप में मैं आने वाले अवसरों को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हूं। 2027 में होने वाला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप इस महाद्वीप में नए दर्शकों तक खेल को पहुंचाएगा। यह अफ्रीकी क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण अवसर है, जो इस क्षेत्र में खेल के विकास पर लंबे समय तक प्रभाव डाल सकता है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के निदेशक रोजर ट्वोस ने कहा, जय की पुनर्नियुक्ति अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण समय में निरंतरता और नेतृत्व प्रदान करेगी। खेल का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि सदस्य सामूहिक रूप से कितना काम करते हैं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कितना मजबूत बनाते हैं और सभी प्रारूपों तथा बाजारों में खेल की लोकप्रियता कैसे बरकरार रखते हैं।

उन्होंने कहा, न्यूजीलैंड हमेशा से मजबूत और टिकाऊ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट व्यवस्था के महत्व को समझता रहा है। लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 में क्रिकेट की वापसी सहित आने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं को देखते हुए हमें खेल के वैश्विक विकास की गति को आगे बढ़ाना होगा और साथ ही उन परंपराओं तथा विशेषताओं को भी सुरक्षित रखना होगा, जो क्रिकेट को खास बनाती हैं। आईसीसी एसोसिएट सदस्य अध्यक्ष गुरुमूर्ति पलानी ने कहा, क्रिकेट को वास्तव में वैश्विक खेल बनाने के लिए विकास के हर चरण में सदस्यों को सार्थक अवसर देना जरूरी है। एसोसिएट सदस्यों के लिए इसका मतलब उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं तक बेहतर पहुंच, विकास के मजबूत रास्ते और टिकाऊ क्रिकेट ढांचे तैयार करने के लिए जरूरी निवेश है।

राष्ट्रीय टेबल टेनिस में उलटफेर, तीन वरीय खिलाड़ी बाहर



फगवाड़ा

सुधांशु, सौरव और मोहम्मद अली को गैरवरीय खिलाड़ियों ने हराया; मनिका को क्वालीफाइंग में हराने वाली हिमांशी ने मुख्य दौर में भी दर्ज की जीत

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के शांति देवी मित्तल इंडोर स्टेडियम में खेली जा रही तीसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दिन पुरुष एकल में तीन बड़े उलटफेर देखने को मिले। 10वीं वरीयता प्राप्त सुधांशु ग्रोवर, 11वीं वरीयता प्राप्त सौरव साहा और 13वीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद अली को गैरवरीय खिलाड़ियों के हाथों हारकर प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा। वहीं, महिला एकल में क्वालीफाइंग दौर में मनिका बत्रा को हराने वाली कर्नाटक की हिमांशी चौधरी ने मुख्य दौर में भी जीत दर्ज कर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। पुरुष एकल के राउंड आफ 64 में एलआईसी के सौगाता सरकार ने सुधांशु ग्रोवर को हराया, जबकि मध्यप्रदेश के सौम्यदीप सरकार ने सौरव साहा को पराजित किया। तमिलनाडु के के. अक्षय भूषण ने तेलंगाना के मोहम्मद अली को शिकस्त देकर अगले दौर में प्रवेश किया। हालांकि, अन्य 13 वरीय खिलाड़ियों ने अपने मुकाबले जीतकर राउंड आफ 32 में जगह बना ली।

हिमांशी ने फिर चौंकाया, महिला वर्ग में भी रोमांचक मुकाबले - महिला एकल के राउंड आफ 128 में 23 मुकाबले खेले गए। शीर्ष 16 वरीय खिलाड़ियों को पहले दौर में बाय मिला है। कर्नाटक की हिमांशी चौधरी ने पश्चिम बंगाल की नंदिनी साहा को 3-2 से हराया। हिमांशी ने इससे पहले क्वालीफाइंग दौर में दिग्गज खिलाड़ी मनिका बत्रा को पराजित कर उलटफेर किया था। काजोल रामजाली ने पश्चिम बंगाल की बियास पाल को पांच गेम के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया, जबकि सेनहोरा डीसूजा ने सौम्या दास को शिकस्त दी। तमिलनाडु की नित्याश्री मणि, चंडीगढ़ की वाणी शर्मा और बीएनएस थानुजा ने भी अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।

राहुल मलिक और आकाश पाल को भी मिली जीत - पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में पंजाब के राहुल मलिक ने महाराष्ट्र के नील मुल्ये को कड़े संघर्ष में पराजित किया। रेलवे के आकाश पाल ने एफसीआई के प्रनीत भास्कर को हराया। पुनीत बिस्वास ने अर्नव कर्नावर और अनीश सोंटकक्के ने सार्थ मिश्रा को 3-1 से शिकस्त दी। जी. साथियान ने कर्नाटक के पी. यशवंत को सीधे गेमों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के अगले चरण में पुरुष एकल के राउंड आफ 32 के मुकाबले खेले जाएंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में साफ्टबाल प्रतिस्पर्धी, सेलिंग प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल



नई दिल्ली। तेलंगाना में खेले जाने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में पहली बार साफ्टबाल को भी शामिल किया जाएगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 11 से 22 दिसंबर तक खेले जाएंगे। इस संस्करण में सेलिंग को भी प्रदर्शन खेल के तौर पर जगह मिली है। 12 दिनों तक चलने वाले इस खेल आयोजन में देशभर के कोने-कोने से लगभग 6000 युवा खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन खिलाड़ियों के साथ करीब 1800 सपोर्ट स्टाफ भी आयोजन का अभिन्न हिस्सा होंगे, जो खेलों को सुचारु रूप से संपन्न कराने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस संस्करण की एक प्रमुख विशेषता साफ्टबाल का प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में पदार्पण है। इसे अब पदक के लिए होने वाली स्पर्धाओं में शामिल किया जाएगा, जिससे इस खेल के प्रति युवाओं में रुचि बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, सेलिंग को एक प्रदर्शन खेल के तौर पर शामिल किया गया है। जिससे भविष्य में उसके भी पूर्ण प्रतिस्पर्धी खेल बनने की राह बनी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2026 में कुल 27 प्रतिस्पर्धी खेल शामिल किए गए हैं, जो युवा एथलीटों को अपनी विशिष्ट क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए विविध मंच प्रदान करेंगे। इन खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबाल, बाक्सिंग, साइकिलिंग, फेंसिंग, फुटबाल, गतका, जिम्नास्टिक, हाकी, जूडो, कबड्डी, कलारीपयट्टु, खो-खो, मल्लखंब, रोइंग, शूटिंग, स्विमिंग, साफ्टबाल, टेबल टेनिस, टेनिस, थांग-टा, वालीबाल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती और योगासन शामिल हैं।

मिर्रा आंद्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब, शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की चैंपियन बनीं

इंडियन वेल्स

रूस की 19 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी मिर्रा आंद्रीवा ने अपने पहले ही प्रयास में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। उन्होंने खिताबी मुकाबले में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर ट्राफी अपने नाम की। इस जीत के साथ आंद्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं।

आंद्रीवा ने एक घंटे 48 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। वह टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना चैंपियन बनीं। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर साल का समापन भी सुनिश्चित कर लिया। अब 2027 सत्र की शुरुआत में उनके पास विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बनने का मौका होगा।

आंद्रीवा ने 2026 का समापन शानदार प्रदर्शन के साथ किया। उनके नाम इस सत्र में टूर स्तर पर 55 जीत और चार खिताब रहे। डब्ल्यूटीए फाइनल्स के अलावा उन्होंने एडिलेड, लिंज और फ्रेंच ओपन में भी खिताब जीते।

पहले सेट में आंद्रीवा और स्वितोलिना के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। दोनों



खिलाड़ियों ने शुरुआती दौर में एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी। इसके बाद आंद्रीवा ने फिर स्वितोलिना की सर्विस तोड़कर अपनी बढ़त 5-3 कर ली। हालांकि, वह 5-4 पर सेट अपने नाम नहीं कर सकीं। इसके बाद उन्होंने स्वितोलिना की सर्विस तीसरी बार तोड़ी और दूसरे प्रयास में सेट 7-5 से जीत लिया।

दूसरे सेट में फ्रेंच ओपन चैंपियन आंद्रीवा ने अपनी लय बरकरार रखी। उन्होंने आखिरी दो गेम में केवल दो अंक गंवाए और 6-3 से सेट जीतकर खिताब पर कब्जा कर लिया। इस जीत के साथ उन्हें 33.7 लाख अमेरिकी डालर की इनामी राशि भी मिली।

आंद्रीवा ने ग्रुप चरण में भी स्वितोलिना को हराया था और फाइनल में एक बार फिर उन्हें शिकस्त दी। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने 2026 की पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ भी शानदार जीत दर्ज की थी। उस मुकाबले में पहला सेट 1-4 से पिछड़ने के बाद आंद्रीवा ने लगातार 11 गेम जीतकर अपनी ताकत दिखाई थी।

खिताब जीतने के बाद आंद्रीवा ने अपनी टीम के प्रति आभार जताते हुए कहा, इस समूह का हिस्सा बनना शानदार महसूस हो रहा है। मैं अपनी टीम की बेहद आभारी हूं, जिसने मुझे मेरी सीमाओं तक पहुंचने के लिए लगातार प्रेरित किया। मेरा साथ देने और मुझे वे सभी चीजें करने के लिए प्रेरित करने के लिए धन्यवाद, जो मुझे करनी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, मैं अपनी टीम को धन्यवाद देना चाहती हूं, जो हर दिन मुझे बेहतर काम करने में मदद करती है, मुझे मेरी सीमाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करती है और जब मेरा कुछ भी करने का मन नहीं होता, तब भी मुझे जरूरी काम करने के लिए मजबूर करती है। आंद्रीवा ने ट्राफी समारोह के दौरान खुद को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, आखिरी व्यक्ति, जिसे मैं धन्यवाद देना चाहती हूं, वह खुद मैं हूं।

मुंबई की 14 वर्षीय घुड़सवार तारिणी लोढ़ा एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज में लेंगी हिस्सा

मुंबई

मुंबई की 14 वर्षीय उभरती घुड़सवार खिलाड़ी तारिणी लोढ़ा एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज 2026 के दक्षिण क्षेत्र मुकाबले में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह प्रतियोगिता 16 से 20 नवंबर तक बेंगलुरु के सर्ज स्टेबल्स में आयोजित होगी। मुंबई के एमेच्योर राइडर्स क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए तारिणी राष्ट्रीय स्तर पर अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगी।

ड्रेसाज में विशेषज्ञता रखने वाली तारिणी इससे पहले शो जंपिंग में भी हिस्सा ले चुकी हैं। उन्होंने कान्कोर्स साट नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। 10 वर्ष की उम्र में प्रतिस्पर्धी घुड़सवारी शुरू करने वाली तारिणी चेन्नई इक्विटेशन सेंटर में कोच इसाबेल हसलेडर और मुंबई के एमेच्योर राइडर्स क्लब में कोच बोबिन शेरिंग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेती हैं। वह सप्ताह में पांच दिन घुड़सवारी का अभ्यास करती हैं। इसके साथ ही फिटनेस और शारीरिक मजबूती के लिए भी नियमित प्रशिक्षण लेती हैं।

तारिणी की अब तक की यात्रा में उनके घोड़े नाक आउट की अहम भूमिका रही है। दोनों ने 2025 में बेंगलुरु में आयोजित इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग में चिल्ड्रेन-1 ड्रेसाज स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। इस दौरान उन्होंने 65.841 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।

दिसंबर 2025 में आयोजित जूनियर नेशनल इक्वेस्ट्रियन चैंपियनशिप में भी तारिणी और नाक आउट ने शानदार प्रदर्शन किया। चिल्ड्रेन ग्रुप-1 ड्रेसाज टीम स्पर्धा में तारिणी ने व्यक्तिगत रूप से 70.154 प्रतिशत अंक हासिल किए।



उनके प्रदर्शन की बदौलत उनकी टीम ने कुल 272.579 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।

हाल ही में ड्रीम अलायंस-6 प्रतियोगिता में इस जोड़ी ने 69.137 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद 71.85 प्रतिशत अंक के शानदार प्रदर्शन के साथ तारिणी ने इस वर्ष दिसंबर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया।

प्रतियोगिता से पहले तारिणी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं बेंगलुरु में एफईआई ड्रेसाज विश्व चैलेंज में हिस्सा लेने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं अपनी तकनीक, निरंतरता और प्रतिस्पर्धा के दौरान आत्मविश्वास बेहतर करने के लिए अपने कोच के साथ कड़ी मेहनत कर रही हूं। नाक आउट के साथ मेरी साझेदारी मेरी यात्रा का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर घोड़े का अपना अलग व्यक्तित्व होता है और उसके साथ विश्वास तथा समझ विकसित करने में समय, धैर्य और काफी अभ्यास लगता है। नाक आउट मेरी प्रगति का अहम हिस्सा रहा है और मैं उसके साथ मुकाबले में उतरने के लिए उत्सुक हूं। मैं हर प्रतियोगिता को सीखने, खुद को चुनौती देने और एक बेहतर घुड़सवार बनने के अवसर के रूप में देखती हूं।

उनकी कोच इसाबेल हसलेडर ने कहा, तारिणी ने इस खेल के प्रति जबरदस्त प्रतिबद्धता और उत्साह दिखाया है। सीखने की उनकी इच्छा, प्रशिक्षण में अनुशासन और ड्रेसाज की बारीकियों पर काम करने की उनकी क्षमता सबसे खास है। नाक आउट के साथ उनकी साझेदारी लगातार बेहतर हुई है और मैदान में दोनों के बीच विकसित हुई समझ उनके प्रदर्शन का महत्वपूर्ण आधार रही है। तैयारी के दौरान हमारा ध्यान निरंतरता, सटीकता और विभिन्न गतिविधियों को पूरा करते समय आत्मविश्वास बढ़ाने पर रहा है।